Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

SA–328

B.A. (Part–III) Suppl. Examination, 2021

RAJASTHANI

Paper - II

(राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जवाब हिंदी या राजस्थानी में दिया जाय सके)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

नोट :– नीचै दियोड़ा सवालां रा उत्तर देवौ (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। 2 अंक हर सवाल।

1. (i) राजस्थानी भासा री लिपि कुणसी है ?

   (ii) राजस्थानी भासा री कुणसी बोली में चरणदासी पंथ री रचनावां मिलै ?

(iii) विजयपाल रासौ किण री रचना है ? इण में किण रौ बखान है ?

(iv) 'गवरी' कांई है अर इण रौ चलण कठै है ?

(v) 'हूंस रा गीत' कद गाया जावै ?

(vi) 'देसनोक' लोक तीरथ किण कारण जगत चावौ ठावौ है ?

(vii) 'सांई री पलक में खलक' किण, कोटि री कथा है ?

(viii) 'दीवाली' रौ तैवार कद मनायौ जावै ?

(ix) 'कूदण बाबो' किण री अर किण विधा री रचना है ?

(x) 'उंडी आग' किण री अर किण विधा री रचना है ?

खण्ड–ब

नोट :– किणी **पाँच** सवालां रा उत्तर देवौ (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। 8 अंक हर सवाल।

2. डॉ. जार्ज ए. ग्रियर्सन मुजब राजस्थानी भाषा री बोलियाँ कुण-कुण सी हैं ? बखान करौ।

3. राजस्थानी साहित्य रै आदिकालीन रासौ साहित्य परम्परा रौ विरौळ करावौ।

4. राजस्थानी वीरतापरक लोक कथा रौ आपणै सबदां में बखान करौ।

5. 'अगाड़ी' कहाणी रौ कहाणी रै तत्वां री दीठ सूं विरोळ करौ।

6. बयाव रा लोकगीतां नै उदाहरण साणै आपणै सबदां में बतावौ।

7. राजस्थानी संस्कृति में कुण-कुण सा खास वरत है ? बखान करौ।

8. नीचे लिख्या विसयां में सूं किणी **एक** माथै निबन्ध लिखौ :

(क) राजस्थानी लोकोक्ति साहित्य।

(ख) राजस्थानी वेष-भूषा।

(ग) ढोला-मारू रा दूहा।

खण्ड–स

नोट :– किणी **दो** सवालां रा उत्तर देवौ (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। 20 अंक हर सवाल।

9. राजस्थानी भासा घणी जूनी है। इण दीठ सू आज लग राजस्थानी भासा रै विकास पै उजास नांखता विरोळ करौ।

10. राजस्थानी लोकनाट्य परम्परा पै उजास नांखता खास-खास लोकनाट्या रौ खुलासो करौ।

11. राजस्थानी लोक संस्कृति रौ सरूप बतलावतां विशेषतावां नै आपणै सबदां में लिखौ।

12. राजस्थानी उपन्यास साहित्य परम्परा रौ विरोळ करता गवाड़ उपन्यास पै उजास नांखो।